Created by demo-version of Universal Document Converter. Full version doesn't add this stamp.
WWW.PRINT-DRIVER.COM

# वास्तुदिग्दर्शन

| (वायव्य) धान्यसंग्रह | खुलाजला-शय नेष्ट | रतिगृह | भूम्यध: जलाशय | (उत्तर) भण्डार गृह | औषधि गृह | | कुआँ | देवगृह (ईशान) |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| पशुस्थान | | | | | | | | कुआँ |
| | | पुत्रकक्ष | | कार्यालय | | अतिथिकक्ष | | |
| रोदनगृह | | | | | | | | |
| भोजनालय (पश्चिम) | | मनोरंजन कक्ष | | ब्रह्मस्थान | | मिलनकक्ष | | मुख्यद्वार (पूर्व) |
| अध्ययनकक्ष | | | | | | | | |
| | नौकरगृह | दम्पतिगृह | | पुत्रीकक्ष | | स्वामीगृह | | हवनकुंड |
| शस्त्रागार | | | | | | | | |
| सूतिकागृह (नैर्ऋत्य) | सामान संग्रहकक्ष | छतपर टैंक | शौचालय | शयनकक्ष (दक्षिण) | तरलपदार्थ संग्रहकक्ष | सामान संग्रहकक्ष | | रसोईघर (आग्नेय) |

किसदिशा में क्या इष्ट है और क्या नेष्ट है का सूची- **x** =नेष्ट √ =इष्ट

| | पूर्व | ईशान | उत्तर | वायव्य | पश्चिम | नैर्ऋत्य | दक्षिण | आग्नेय |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| कुआँ | **x** | √ | √ | √ | √ | **x** | **x** | **x** |
| जलाशय | **x** | √ | √ | **x** | **x** | **x** | **x** | **x** |
| जलप्रवाह | √ | √ | √ | √ | **x** | **x** | **x** | **x** |
| मन्दिर | √ | √ | √ | **x** | **x** | **x** | **x** | **x** |
| शौचालय | **x** | **x** | **x** | √ | √ | √ | √ | √ |
| स्नानघर | √ | **x** | **x** | √ | √ | √ | √ | √ |
| रसोई | **x** | √ | √ | **x** | **x** | **x** | √ | √ |
| पशु | **x** | **x** | **x** | √ | √ | √ | √ | **x** |
| सामानगृह | **x** | **x** | **x** | √ | √ | √ | √ | **x** |
| गुफा | √ | √ | √ | **x** | **x** | **x** | **x** | **x** |
| बिजलीसंयंत्र | **x** | **x** | **x** | √ | √ | **x** | √ | √ |
| खालीस्थान | √ | √ | √ | **x** | **x** | **x** | **x** | **x** |

ध्यान दें :-

१. जमीन के चारों दिशा नापकर प्रत्येक दिशा को नौ समभाग में बांट लें।
२. जमीन उत्तर और पूर्व में नीचा हो तथा पश्चिम और दक्षिण में ऊँचा हो तो उत्तम।
३. प्रात:काल में सूर्य के किरणें और रात्री में चन्द्र के किरणें घर में प्रवेश करें ऐसे खिडकी एवं रोशनदानों की स्थापना करें।
४. मकान के दक्षिण एवं पश्चिम में पेडें तथा उत्तर एवं पूर्व में फूलों और घास का बगीचा हो।
५. नैऋत्य दिशा में खिडकियाँ न हो किन्तु रोशनदान हो।
६. उत्तर से पूर्व तक शौचालय और स्नानघर कभि न हो।
७. सैप्टिक टैंक नैऋत्य दिशा में हो।
८. गन्दा पानी का निकास पश्चिम से दक्षिण की ओर हो और शुद्ध एवं बरसाती पानी उत्तर से पूर्व की ओर होना चाहिये।
९. विशेष जानकारी किसी वास्तु शास्त्र के विशेषज्ञ से प्राप्त करके ही गृह निर्माण करना चाहिये।



Created by demo-version of Universal Document Converter. Full version doesn't add this stamp.
WWW.PRINT-DRIVER.COM